समावेशीकरणको दिशामा एउटा फड्को :
गोरखापत्रद्वारा प्रकाशित किसान (साद्रि) भाषा पृष्ठ
•
२०६७ असार २१ गते सोमबार

नयाँ नेपाल

गोरखापत्र

खभइर

आदिबासि जनजातिमनकर सामुदायिक साँस्ता

भाषा । धाइजन गा.वि.स.मे पहिल खेपा समुदायमे आधारित आदिबासि जनजाति सामुदायिक साँस्ता गठन होइके जिल्ला प्रसासनमे दार्ता होलक ।

लुथरन बिस्व फेडरेसन आउर साहारा नेपाल चारपानेकर पहलमे दार्ता होल ए साँस्ता आदिबासि जनजातिकर आर्थिक सामाजिक आउर राजनितिक अवस्थाके सुधार आउर ससक्तिकरन कारिक्रम करेक उद्येस्यस होइ हिक । साँस्ताकर पहिल साधारन सभा हों धाइजन-८, बाँसबारिमे साँस्ताकर निजि भवनमे सम्पन्न होलक ।

साहरा नेपालकर कार्यकारि निर्देसक महेन्द्र गिरिकर प्रमुख आथित्यमे सम्पन्न होलक हले कारिक्रमकर सभापतित्व तदर्थ समितिकर अध्यक्ष सुजन कवर कइर रेहे । सबिना ग्वाल स्वागत मन्तव्य राखल कछेरिकर सन्चालन विकास ग्वाल कइर रेहे । सभामे १६० झनकर सहभागिता रेहे हले नावाँ सृजन कवरकर अध्यक्षतामे नावाँ कार्य समिति हों चुनाल गेलक । नावाँ कार्य समितिकर नामावलि इसन हिक-

अध्यक्षः सृजन कवर
उपाध्यक्षः पोक्चि मेचे
सचिवः विकास ग्वाल
सह-सचिवः कविता मेचे
कोसाध्यक्षः मन्जु मेचे

साँस्तामे बिसेस कइरके लोपोन्मुख जाइतकर बाहुल्यता हिक ।

पत्रकारिता तालिम गुदरलक

भाषा । आदिबासि जनजातिमनकर पत्रकारितामे पहुँच बाढ़ाएक उद्येस्यसे सात दिना पत्रकारिता तालिम गुदरलक ।

आदिबासि जनजाति पत्रकार महासङ आउर आदिबासि जनजाति महासङ समन्वय परिसद भाषाकर संयुक्त आयोजनामे सम्पन्न होल तालिममे प्रमुख गोतिया सभासद अमृतलाल राजवंसी, बि.बि.सि. भाषा सम्बाददाता उमाकान्त खनाल, प्रतिदिन पत्रिकाकर सुबत न्यौपाने, पाथिभरा गणकर गणेस ठाड़ामगर, अर्जुनधारा पत्रिकाकर इन्दु पुर्बेलि, मेचि टयुन्सकर तिर्थ सिरदेल रेहे हले तालिम उदघाटन समापन इन्द्रजित मुखिया कइर रेहे । उस्ने उदघाटन कारिक्रमकर सन्चालन गणेसमान मुखिया कइर रेहे ।

सात दिन तक चलल तालिममे प्रसिक्षकमन सुबत न्यौपाने सामाचार लेखन, इन्दु पुर्बेलि हाई आउर सफ्ट आउर सामाचार बारे, बिपिन राई अन्तरबार्ता बारे आउर अधिकार उठान बारे, इन्द्रजित मुखिया टेलिभिजन सामाचार रिपोर्टिङ आउर केम्रा चालाएक बारे, गणेस पोखरेल पत्रकारितामे भासा सम्पादन आउर सामाचार सन्तुलन बारे, तिर्थ सिरदेल फिचर न्युजकर बारे, बिसाल नेम्बाङ प्रेस, फोटोग्राफिबारे आउर गणेसमान मुखिया भिडियो सामाचार सम्पादन बारे प्रसिक्छन देइ रेहे । तालिममे १२ झन सियानि आउर ११ झन मरद कइरके जामा २३ झनकर सहभागिता रेहे ।

साद्रि भासाकर पहिल किताब प्रकासित

काठमान्डु । भिम किसानद्वारा लिखित आउर सम्पादित लोपोन्मुख साद्रि भासाकर 'सोन्देस' नाँवकर पहिल किताब प्रकासित होइहिक ।

आदिबासि जनजाति उत्थान रास्ट्रिय प्रतिस्ठान जावलाखेल ललितपुरकर आर्थिक मदडतमे बोनोल ए किताबकर प्रकासन किसान समुदाय बिकास प्रतिस्ठान मेचिनगर-५, झापा कइर हिक । किताब सुध साद्रि भासामे लिखल आहे ।

किताबमे बिभिन्न सस्टामनकर लेक कहानि, कबिता, डमकइच गित, करम गित आधुनिक गित, बुझबइल आउर किसान आदिबासिमनकर साँस्कृतिक परम्परामन समावेस हिक । किताबकर लेखन तथा सम्पादन भासाबिज्ञानन्दिय बिभागमे स्नातकोत्तर दोसोर बछरमे पढ़ैया भिम किसान कइर हिक हले किताबकर दाम १५० रुपिया राखल आहे । ए किताब बिभिन्न अध्ययनकर्ता तथा अनुसन्धानकर्ता तथा पाठयक्रम निर्माताकर लागिन एकदम उपयोगि होएक बिस्वास लेखक तथा सम्पादक कइर हिक । किताबकर बिसेसतामन इसन हिक-

- नेपालमे साद्रि भासाकर पहिल किताब हके । एकरसे आगु कोनो किताब सुध साद्रि भासामे लिखाल इतिहास नखे ।
- किताब बिसुध भासा बिज्ञानकर दृस्टिकोनमे लिखल जाइहिक । भासा बिज्ञानकर नियमानुसार ए भासामे दिर्घ स्वर नखे । उस्ने साद्रि भासाकर अभिलेखिकरनके आधार माइनके लिखल जाइ हिक ।
- किसान जाइतकर हरेक पक्छयमनके सम्टेक कोसिस कइर हिक ।
- किताबमे बिभिन्न किसिमकर आकर्सक चित्रमन हिक । जो पाठककर धियानके खिचेक सकि । ■

आखनकर परिस्थितिमे किसान युवामनकर भुमिका

किसान एगो पुर्ना आदिबासि समुदाय हके । ए आदिबासि ५९ गो सुचिकृत आदिबासि जनजाति भितर परेल । आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, सैछिक, साँस्कृतिक कारनसे पिछड़ाल ए समुदाय आखन झापाकर बिभिन्न ठाँवमे बसोबास कर्ते आइ रहल हिक । एकदमे गरिब आउर सुकुम्बासि होल कारन ए समुदाय लोप होएक डगरबटे जाइरहल हिक । आगेसे आखन देरिए सड्ख्या घइट चुइक हिक आउर घटेक क्रममे हिक । ए समुदायकर आपने पृथक भासा संस्कृति रइहके हों आपनके राज्यमे स्थापित करेक नखे सकत । एकर मुध कारन असिक्छया आउर गरिबि हके । राज्यकर निति नेम हों ओल्ने जिम्मेबार हिक । तेकरले किसान समुदायकर युवामन ए बुझेक परि कि हामे आपन समुदायके उठाएक राज्यकर मुहके ताकेक छोड़ेक परि आउर आपने लाइग परेक परि । करिब १२०० जनसड्ख्या रहल ए समुदायमे सिक्छित युवाकर सड्ख्या एकदम कम हिक । तथ्यांकेके देखेल्से एस.एल.सि. पास करैंया ११ झन आहेन । लेकिन ओकरमे दुइझन आउर जाइतमे उड़रिया गेलेन । एकझनकर आगे नै मिर्तु होइचुइक हिक । आउर कोनो चि पढ़ते समुदायकर काम कइर रहल हिक । आखनकर इस्थिति देखेल्से सिक्छित युवाकर सड्ख्या बढ़ेक आउर समइ लागि । सारकार सुबिस्ता देइ हिक लेकिन ओ पर्याप्त नखे । चरम गरिबिकर मार खेइप रहल ए समुदाय आखन बिभिन्न ठाँवमे मजदुरि करेक बाध्यता हिक । आपन जाघा जमिन त सब आउरझन बिभिन्न जालझेल कइरके लेइलेलेन ।

ए बिकराल परिस्थितिके मध्यनजइर कइरके हामे किसान युवामन जागेक परि । आपन देस आउर समुदायकर लागिन नावाँ काम करेक परि । एकर लागिन कार्य योजना जरुरि हिक । ए बिना काम करेक निसाकाए । आपन समुदायकर चेतना स्तर बृद्धि करेक परि । राजनैतिक पार्टिकर भोट बैंक बोनेक छोड़इके स्थानिय इस्तरसे नेतृत्व लेक कोसिस करेक परि । समुदायकर इस्कुलिया छौवामनके सिक्छया लेक प्रोत्साहन आउर मार्ग निर्देसन करेक परि । आपन मायँबाफके साम्झाएक परि ताकि आपन बेटाबेटिके इस्कुल छोइड़के बाल मजदुरकर रुपमे झिन भेजोक । एकर लागिन संस्थाकर हों सक्रियता जरुरि हिक । हामे बिचमे एकता होएक परि तब हल हामे युवामन आगे बढ़ेक सकब, आपन समुदायके बदलेक सकब । आपन जातिय पहिचानके कायम राखेक सकब । समसियाकर पिछे सफलता जरुर हिक ए मुलमन्तरके भुलेक निहोए । आपन भासा सँस्कृतिकर उत्थान आउर बिकासकर लागिन लाइग परेक परि । हेरात जात सँस्कृति आउर भासाकर जगेर्ना करेक परि । आपन कामाल पैसाके पिछेकर लागिन बचत करेक परि ।

जिबन किसान

लानलक चेतना लुथरन बिस्व फेडरेसन

नेपाल एगो मानमडन्सा जाइत, धरम, भेसभुसा, सँस्कृति होल राइज हके । नेपालकर पुरुब झापा जिल्लाकर बाते निकिर्रि । हियाँ ढेइर किसिमकर जाइतमन आहाय । ओकरमे हों धाइजन गा.वि.स.मे ग्वाल, किसान, कवर, रौतिया, मेचे, धिमाल, राजवंसि आदिबासि हौदाकर अदमिमने हिक । ए जाइतमने मित्रे हों ग्वाल, कवर, रौतिया एगो इसन आदिबासि समुदायकर लोग हके जो नेपाल सारकारकर आदिबासिकर सुचिमे सुचिकृत नखे होल । ए जाइतमने सुचिकृत प्रक्रियामे हिक । बिगतकर दिनमे ए जाइतमने आपन हक अदिकार आउर राज्य आदिबासिमनके सेव सुबिस्ता उपलब्ध कराएल । सेकरबारेमे कोनो जानकारि निरेहे । लेकिन जेघरिसे लुथरन बिस्व फेडरेसन ए गा.वि.स. मे आदिबासि जनजाति सामुदायिक ससक्तिकरन कारिक्रम लेइके आलक सेघरि ए जाइतमने आगे बढ़ेक सुरु कइर आहेन । लुथरन बिस्व फेडरेसन कर आर्थिक मदडतमे साहारा नेपाल सन्चालन करल बिभिन्न मइतकाकर तालिम लेइके आपन हक अदिकार कर बारमे जानकारि लेइके ए जाइतमने आपन सँस्कृति पहिचान करेक्ले सामुदायिक सुचना केन्द्र भवन निर्मान कइर हिक । लुथरन बिस्व फेडरेसनकर आर्थिक पहल आउर स्थानिय निकायमनकर सहेतासे ए भवन बानाल हिक । ए सामुदायिक भवनकर माध्यमसे एखन ए जाइतमने आपन जातिय पहिचान करेक्ले परिचय महिला बचत तथा रिन सहकारि आउर एकता सामुदायिक बिकास केन्द्र नाँवकर समुदायमे आधारित संस्था हों दर्ता कइर हिक । संस्थाकर मार्फत आपन हक अदिकार सँस्कृति पहिचान कर्वाइ हले सहकारिकर माध्यमसे आपन आर्थिक इस्थिति सुधार करि । एगो पिछड़ल जाइतके अवसर देइके आगे बाढ़ाएक्ले लुथरन बिस्व फेडरेसन एकल निहि सारकार आउर हामे सब मानव आइतकर कर्तव्य हके । ए जाइतमनकर सँस्कृति नेपालकर सँस्कृति हके सेहेले आइजसे आवा हाम सब आपन अस्तित्व रक्छयाकर लागिन हातमे हात आउर माया पेमसे ए अस्तित्व रक्छयाकर लड़इ लड़ि ।

बिकास ग्वाल

भासा, सँस्कृति हामर पहिचान आउर बिसेसता हके -

सुन्दरलाल किसान

२०३५ सालमे मेचिनगर-४, झापामे आया पुर्नि किसान आउर बाबा राजकुमार किसानकर पेटसे जन्मल सुन्दरलाल किसान किसान समुदाय बिकास प्रतिस्ठानकर भुतपुर्व उपाध्यक्ष आउर अध्यक्ष हके । गाँवकर इस्कुलमे तिन तक एकल पढ़ल सुन्दरलाल एकदम तिन गो सान्तानकर बाफ होइहिक आउर समुदायकर लागिन कोनो करों कहेक भावनासे भिजल लोग हके । आखन सुन्दरलाल किसान बैदेसिक रोजगारकर सिलसिलामे खाड़ि मुलुक दुचइमे रेहेल । छुटिमे घर आइके फिन जाएक लागिन काठमान्डु आवल बेरा साद्रि भासाकर पुस्ठ संयोजक भिम किसान सङ होल बातचितकर अंस खाल्हे देल हिक -

❑ हाल खभइर किसन हिक ? कहिया घर आइरिहिस ?

- हालखभइर सब नगदे नगद हिक । जनिछवा सब आछे आहेन । घरकर सब घर्नि देखेल तालिम तेकरले घरकर कोनो चिन्ता नखे । चैत २१ गते ३ महिनाकर छुट्टिमे घर आइरोहों ।

❑ बिदेसमे काम किसन हिक ? आउर केन्ना बछर रहबे ?

- आपन देसमे खटल लोगके बिदेसमे कटिक मुस्किले पेरल । हेल्परकर रुपमे काम करोन । कम्पनि जे काम आरहाएल ओखें करोन । नगदे नगद होइ हले त बगे रहबु नित घर आइके कोनो बेपार कर्बु ।

❑ हुँबाकर हावापानि किसानमनकर लागिन किसन हिक ?

- हियाँ नेपालकरसे गरमबेला बहुँत गरम आउर जाड़बेला बहुँत जाड़ होएल । एबटकर नियर पानि निआवेल । सबपाखि बालु जुछा हिक । इसन हावापानिमे हों हामके १२ घान्टा तक काम करेक परेल । तेकरले ठठेक कटिक मुस्किले हिक ।

❑ बिदेसमे किसान कामदारमनकर इस्थिति किसन हिक ?

- नगदे हिक कहिँ । किसान कामदारमन आउर जाइतमन नियर आल्पाहा नखेन, कटिक खानाकर टेम निमिल्के फुक्कि उघ्रेल । आउर देसकर कामदारमन नियर काम निभेटेन । खालि हेल्परकर काम करेक परेल । साइँत बाग्रा निपइढ़के होइ ।

❑ कामाल पैसासे का करेक योजना हिक ?

-बेटाबेटिमनके नगदसे पाढ़ाबु । दाम मिलि हले जाघा किन्बु आउर घर आइके कोनो बेपार कर्बु ।

❑ घर छोड़इके जाइल्ला कोनो चिन्ता निलागेल ?

- लागेल जुन का कर्बे । आपन परिवारके छोडइके जाएक मन त निरेहे नि । का कर्बे हियाँ नेपालमे कोनो काम नखे । बाध्यता होइके जाएक परेल ।

❑ किसान कामदारमनकर कमइ किसन हिक ?

-सोचल अर्थात काम आनसार नखे । लेकिन एत्ना हके कोनो किसान जुछा नखे घुरल । महिनामे नियमित काम आउर ओभरटेम जोइड़के, सब खार्चा घाटाइके इस्ने १४-१५ हाजार रुपिया कामाएन । एक दुइझन त काम नगद निभेइटके फिनिस आलेन ।

❑ आपन समुदायकर चिन्ता लागेल कि निलागेल ?

- आपन समुदायकर चिन्ता त केके निलागि जे । सब सडमनके सम्झोन । हामर समुदाय बहुँत गरिब हेन तेकरले साइडे नगद निलागेल । का कर्बे सब जाघा जमिनहर मन सिराइगेलक ।

❑ बिदेसमे नेपालि कामदारमनकर इस्थिति किसन आहे ?

- आउर देस जिसन कि भारत, बाइलाटेस, पाकिस्तानकर कामदारले कटिक बेहेज हिक । नेपालि कामदारमन त बाग्रा हेल्पर भिसामे जाएन । लेकिन कैंबाकर घामसे कटिक ठठेक निसकेन । तेकरचाड़े केन्ना त उन्हे आपन जिउके गावाँइदेन ।

❑ साँस्था चालाया अघुवामनके कोनो कहेक चाहिस कि ?

-साँस्था हामर जातिय पहिचान हके । एकर कारन देरिए उपलब्धि होइहिक । तेकरले साँस्थाके आउर नगदसे चालाव । हामर जाइत पोछवाइ हिक । सबके समइटके लेग्वा । प्रभावकारि कारिक्रममन सन्चालन कर्वा ।

❑ आपन कार्यकाल भइर किसन काम कर्ले नियर लागेल ?

- मोके त नगदे कर्लौं नियर लागेल । लेकिन समुदायकर काम करयाके भस्टचारकर आरोप लाग्वे घरेल । सबकर चित बुझाएक निसाकाएल ।

❑ आपन भासा सँस्कृतिके जोगाइके राखेक जरुरि हिक कि नखे ?

-भासा, सँस्कृति हामर पहिचान आउर बिसेसता हके । ए बिना हामर अस्तित्व सम्भव नखे । तेकरले युवा छौंड़ाछौंड़िमनके आपन भासा, सँस्कृति बाचाएक एहे पत्रिका मार्फत आग्रह कर्थौं ।

❑ किसानमन आगे बढ़ेक निसकेक कारनमन का का हके लखे लागेल ?

-हामे किसानमन एकदम असिक्छित आउर गरिब हिन । तेकरले हर छेत्रमे आगे बढ़ेक निसकत हिन । आउर हामर जाइत एकदमे हाँड़िदारु पियेन, अन्धबिस्वासि हेन ।

❑ अन्तिममे समुदायकर उत्थान आउर बिकासकर लागिन किसान युवामनके का सुझाव देक चाहिस्ला ?

-समुदायकर स्वातिर नगद काम कर्बा, बाग्रा पढ़बा, सारकार देलसे भाताके सदुपयोग करेक लागाब आउर सबकर बेटाबेटिके नगदसे पढ़ेक लागाबा । ■

बादलाल राजनितिक परिस्थिति आउर किसान समुदाय

सत्ता साम्झाल ओरसे नै बिपक्छि एकिकृत नेकपा माओबादिकर काड़ा बिरोध आउर आपने दलभितरकर असहेताकर कारन १३ महिना कार्यकाल गुदाइके प्रधानमन्त्रि माधब कुमार नेपाल पदसे राजिनामा पत्र रास्ट्रपति समक्छय बुध दिन बुझालक । देस तरल अवस्थामे गुजइर रहल बेरा आब नावाँ सारकार बानाएकर डगर खुल्लक । लेकिन आचाका आवल राजिनामा कारन देसकर परिस्थिति बदइल जाइहिक ।

मुध दलमन सारकार बानाएक दौड़धुप करेक ओर कइर देलेन । मुध दलमन बिच सारकार बानाएक कोनो सहमति नखे जुटल । तेकरचाड़े सहमतिय सारकार होइ कि बहुमतिय सारकार कोनो ठेक्ना नखे । आपन-आपन नेतृत्वमे सहमति जुटाएक कसरत कइर रहल हेन । मुध दलमधे संबिधानसभाकर दोसोर दल नेपालि काङ्ग्रेस आगेसे माओबादि हों सारकार चालालक, एमाले हों सारकार चालालक आब पाला हामर कइहके दाबि कइर रहल हिक । माओबादि चिं संबिधानसभाकर सबसे गेट दल हामे हकिँ तेकरले नेतृत्व हामे करेक पावेक परि कहथिक हले छोटे दलमधे मधेसि जनाधिकार फोरम लोकतान्त्रिक पार्टि हों बड़े दलमन सारकार चालाएक असफल होलेन तेकरले नावाँ सारकार हामे नेतृत्व करब कहथिक । इसन देखेल्से सारकार बानाएक सबदलकर आपन-आपन ब्यास्था आउर बिस्सेसन हिक । अरुने सहमति जुटेक कोनो सम्भावना निदिसेल । लेकिन रास्ट्रपति सारकार बानाएक राजनितिक सहमतिकर आधारमे आसार २३ गते तककर समइ देइहिक । ओ समइभितर सारकार निर्वाहि हल काम चालाव सारकार पेस्कि बजेट लानेक तियारि हों कइर रहल हिक ।

माओबादि इतरकर दलमन चिं जेठ १४ गते होल तिन बुँदे सहमतिकर पहिल बुँदा कार्यान्वयन करेक परि तब हल एकल माओबादि नेतृत्वकर सारकार सुइकार करब कहथेन । प्रधानमन्त्रिकर राजिनामा सड्घे दोसोर आउर तिसर बुँदा कार्यान्वयन होइचुइहिक । पहिल बुँदामे सेना समायोजन, काब्जा करल सम्पति फिर्ता आउर वाइसिएलकर नागरिकिकरन बात हिक । नावाँ सारकार गठनकर लागिन माओबादि चिं आउर दलसे छलफल कइरके सहमति जुटाएक अध्यक्षकर संयोजकत्वमे तिन सदसिय बार्ता टोलि गठन कइर हिक । ए त होलक राजनितिक परिस्थिति ।

राजनितिक सड्कटकर पिछेकर अवस्थाकर त बाते छोड़ि । देसकर अदमिन अर्थात नागरिकमन असुरक्छित महसुस कइर रहल हेन । कोनोहर स्वतन्त्रपुर्वक हिँडक, गोठयाएक सुरक्छित बातावरन नखे । ब्यापक चान्दा, मारडाड, लुटपाट, महङ्गि, चरम स्वाद्यान्न सड्कट देसके गाइन्ज रहल हिक । रेमिटयान्ससे धानल देसकर अर्थतन्त्र दिन प्रतिदिन निचे गिर्ते जाइरहल हिक । युवामन देसकर अस्थिर बातावरनसे दिक्दार होइके बिदेस पलायन होइरहल हेन । लेकिन देसकर राजनितिक पार्टिमन सत्ताकर फुहिर खेडलमे लाइग लाइग रहल हेन । हामर देस कृसि प्रधान देस होइके हों कृसकमनके समइमे पर्याप्त मात्रामे मलकर बेबस्था नखे कइर देल । तेकरचाड़े यसौं कृसि उत्पादन घटेक अनुमान हिक । रोपाडोभा करेक बेला पानि हों आवत नखे । सिँचाइकर बेवस्था हों नखे । जेहोस जल्दि या देरि नावाँ सारकार गठन होइ । नावाँ सारकारकर मुध काम बजेट लानेक, संबिधान बानाइके समइमे जारि करेक, सान्ति सुबबस्ता कायम करेक, देसकर नागरिकके महङ्गिसे राहत देक, देस बिकासकर लागिन नावाँ कार्य योजनामन बानाएक, सारकार प्रभावकारि रुपमे सन्चालन करेक, राजस्व उठाएक, सहमति आउर सहकार्यकर साथ देसके नगद डगरबटे लेगेक होइ ।

लेकिन पुरुब नेपालकर झापा जिल्लामे बसोबास करया किसान समुदायमन देसकर परिबर्तित राजनितिक अवस्थाकर बारेमे बेखभर हेन । ओमनके एकर बारेमे कोनो पाता नखे । दिनभइर काम कइरके सान्झ बिहानकर लागिन कार्वैरा जुटाएक एमनके फुर्सइत नखे तेकरले एमनके ए अवस्थाकर बारेमे कोनो सरोकार नखे । काकरे कहल्से पहिल त एमन असिक्छित हेन । राजनितिमे एमनकर पहुँच नखे त कानियर एमनके जानकारि होइ । एमनकर एकैगो आस्रा रेहेल । नावाँ सारकार हामर लागिन कोनो नावाँ काम करि कि ? अन्यथा एमनके उसन बारेमे सोचेक फुर्सइत नखे ।

लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालकर पहल सारकार एमनके बजेट मार्फत लोपोन्मुख भाता देक बेवस्था कइरके कटिकन उदारता देखालक । ए भाताकर कारन एमनकर गरिबिकर दुरि घाटाएक कटिक हल हों सहेता कर्लक । जानया बुझया ओहे पैसासे नगद नगद काम जिसन कि आपन बेटाबेटिके पाढ़ाएक, बैदेसिक रोजगारमे भेजेक काममे लागाइ रहल हेन । लेकिन उस्ने उत्पादनमुखि काममे ओत्ना निलागाल दिसेल । लेकिन एत्ना एकल एमनके काफि नखे । एमन देरिए पिछड़इ हेन । तेकरले नावाँ बोनिसे सारकार एमनकर उत्थान आउर बिकासकर लागिन ठोस काम होएकमे बजेट छुटाइके सहेता करेक परि । सिक्छयामे आउरे सहेता करेक परि । बिदेस जबैयामनके सहुलेत दरमे रिन सुबिस्ता देक परि । ए समुदायकर पढ़ल जनसक्तिके तालिम देइके रोजगार देक परि । एमनकर भासा सँस्कृति उत्थान आउर बिकासकर लागिन बिसेस कारिक्रममन लानेक परि । एकर लागिन किसानमन हों सारकार सबकुछ कइर देइ कइहके मुह ताकेक छोड़ेक परि । आपनो तरफसे सारकारसङ राउटे जाइत नियर माग प्रस्तुत करेक सकेक परि । साँस्ताकर लोगमन बैठक बोइठके कार्य योजना बानाएक परि आउर ओहे आनसार काम करेक परि तब हल एकल सारकार देल कारिक्रममनकर सार्थकता प्रमानित होइ ।

भिम किसान

समिक्छया

प्रस्तुत 'सोन्देस' नाँवकर किताब भिम किसानद्वारा लिखि आउर सम्पादित साद्रि भासाकर पहिल किताब हके । नेपालकर एगो पुर्ना आदिबासि किसान समुदायकर बिभिन्न पक्छयमनके समइटके लिखल ए किताब बास्तबमे साद्रि भासाकर उत्थान आउर बिकासकर लागिन एगो बहुँत उपयोगि होएक सकि । युवा बिद्यार्थिद्वारा लिखल ए किताब पुरे भासा बिज्ञानकर दृस्टिकोनसे लिखल जाइहिक । लेकिन पाठकमन पढ़ते जाएत्तन साङ्खा करेक सकि काकरे कि ए किताबमे दिर्घ स्वर नखे । किताबमे किसान जाइतकर पुस्ठभुमि, रहनसहन, साद्रि संस्कार, जनम संस्कार, मिर्तु संस्कार, किसान जाइतकर जातिय राज्यकर प्रसासनिक बेबस्था समावेस हिक हले दोसोर खोड़ामे, लोक कहानि साद्रि भासाकर बुझबइल, कहबि, डमकइच गित, करम गित, छेरता गित आउर कबिनामन सम्टल हिक । भिम किसानकर ए काम सराहनिय हिक । ए किताब किसान बिद्यार्थिमनकर लागिन प्रेरनाकर स्रोत बनेक सकि । ए किताब पड़ढ़के साद्रि भासाकर पाठकमन किसान जाइत आउर भासाकर बारेमे ज्ञान लेक सकि । ए किताबमे कइटको गल्ति हों हिक जिसन कि छापाइ सम्बन्धि आउर सस्टामनकर फोटो समावेस नखे । किसान जाइतकर संस्कृति आउर परम्परा आउर रिंतिरिवाज भितर गहिराइ तक पोँहचेक नखे सकल । साहित्य संग्रह कहल ए किताब कटिक स्चिँचि नियर होलक । साइँत ए लेखककर पहिल प्रयास होइके होइ । भिम किसानके आपन भासाकर उत्थान आउर बिकासकर लागिन इस्ने सिर्जनात्मक काम कर्ते जावोक मोर बहुँत बहुँत सुभकामना हिक ।

रेनुका किसान (महासचिब)
किसान समुदाय बिकास प्रतिस्ठान मेचिनगर-४, झापा

पृष्ठ संयोजक : भीम किसान
सह सयोजकः रेनुका किसान
पत्राचार ठेगाना नयाँ नेपाल
गोरखापत्र दैनिक
पो.ब.नं. २३
काठमाडौँ
E-mail: kisan@gorkhapatra.org.np

नयाँनेपाल भोलिको अंक *अवधि र दनुवार* भाषामा प्रकाशित हुनेछ ।